संख्या– 367 /VI/2004–49पर्य/2003

प्रेषक,

ए0 के घोष,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक, पर्यटन,
पर्यटन निदेशालय,
देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 20 जुलाई, 2004

विषयः–विश्वनाथ जगदीशशिला पर्यटन समिति ग्यारहगांव हिन्दाव द्वारा आयोजित गंगा दशहरा मेला हेतु विशेष अनुदान की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या–268/प0आ0/2004–51 (पर्य0)/2003 दिनांक 26–04–2004 एवं मा0 सहकारिता, पशुपालन मंत्री जी के पत्र दिनांक शून्य की छायाप्रति संलग्नक सहित संलग्न कर प्रेषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय विश्वनाथ जगदीशशिला पर्यटन समिति ग्यारहगांव हिन्दाव द्वारा आयोजित गंगा दशहरा मेला हेतु विशेष अनुदान रू0 25 हजार (रूपये पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2– उक्त स्वीकृत धनराशि शासनादेश दिनांक 26 अप्रैल 2004 द्वारा स्वीकृत सहायक अनुदान/अशंदान/राजसहायता हेतु स्वीकृत आयोजनागत पक्ष के मदों से व्यय किया जायेगा एवं उक्त शासनादेश में उल्लिखित शर्तो के अधीन व्यय किया जायेगा।

3– उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदो में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आंवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नही देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तुपुरितका को नियमों या अन्य आदेशो के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में तिमतव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय–समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशो को कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4– यदि स्वीकृत धनराशि से कोई निर्माण कार्य कराया जाता है तो कार्य कराने से पूर्व विरतृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5– स्वीकृत की जा रही धनराशि उन्ही मदों पर व्यय किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

6– यह अनुदान इस वर्ष विशेष अनुदान के रूप में स्वीकृत किया जा रहा है अतः इसे भविष्य के लिए दृष्टान्त नही माना जायेगा एवं न ही भविष्य में इस आधार पर अनुदान की मांग की जायेगी ।

भवदीय

19/7/04

(ए0 के0 घोष)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या– –(1)VI/2004–49 पर्य0/2003, तद्‌दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
2– वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3– जिलाधिकारी, टिहरी।
4– वित्त अनुभाग–3, उत्तरांचल शासन।
5– निजी सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी।
6– एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय।
7– श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव वित्त।
8– गार्ड फाईल।

आज्ञा से

19/7/04

(ए0 के0 घोष)
अपर सचिव

मंत्री प्रसाद नैथानी
मंत्री
सहकारिता पशुपालन
दुग्ध विकास एवं मत्स्य पालन

C (1968)

उत्तरांचल शासन

विधान भवन, देहरादून
कक्ष सं0 15
फोन : 01352666381 (कार्या)
2722866(आवास)
टेलीफैक्स: 2666382
मोबाइल : 9837092308

पत्रांक.............................   दिनांक..........................

माननीय मुख्यमंत्री जी,

गंगा दशहरा मेले के आयोजन हेतु आर्थिक सहायता के सम्बन्ध में विश्वनाथ–जगदीशिला पर्यटन समिति ग्यारहगांव–हिन्दाव विकास खण्ड भिलंगना, जनपद टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) के द्वारा आपको सम्बोधित संलग्न पत्र सहित समिति का एक प्रतिनिधिमण्डल श्री रूपसिंह बजियाला ग्राम व पो. बजियालागांव टिहरी गढवाल के प्रतिनिधित्व में आज मुझसे मिला तथा मेले के आयोजन में आ रही कठिनाईयों से मुझे अवगत कराया।

अनु० अधिकारी
मु० सहायता पत्रावली
पर.
20/5/04
(कुँवर सिंह)
अपर सचिव, मुख्यमंत्री
उत्तरांचल

विश्वनाथ–जगदीशिला पर्यटन समिति ग्यारहगांव–हिन्दाव इस क्षेत्र में प्रति वर्ष गंगा दशहरा मेले का आयोजन करती आ रही है। यह मेला स्वामी रामतीर्थ जी एवं गुरू वशिष्ठ जी की तपस्थली वशिष्ठाश्रम विषोन पर्वत में मनाया जाता आ रहा है जो कि एक ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थान है तथा यह मेला क्षेत्रीय जनता एवं जनपद टिहरी गढवाल के काफी दूर–दराज के लोगों की आस्था का प्रतीक है। इस मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की प्रत्येक सुविधा के लिए उक्त समिति के द्वारा सभी सम्भव व्यवस्थायें की जा सकती हैं तथा मेले को और भी अधिक भव्य रूप दिया जा सकता है, किन्तु आर्थिक तंगी के कारण इन्हें काफी क़ठिनाईयों से गुजरना पड़ता है।

अतएव मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त मेले के आयोजन हेतु समिति को रू. 1,00,000 (रूपये एक लाख मात्र) की आर्थिक सहायता प्रदान करना चाहें।

संलग्न: यथोपरि।

(हस्ताक्षर)
20.5.2004

NIC - 381

विश्वनाथ – जगदीशिला पर्यटन समिति

ग्यारह गांव हिन्दाव, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

रूप सिंह बजियाला
अध्यक्ष

ग्राम तथा पोस्ट आफिस
बजियाल गांव
टिहरी गढ़वाल, उत्तरांचल प्रदेश

पत्रांक

दिनांक.....................

सेवामे,

माननीय मुख्यमंत्री जी,
उत्तरांचल सरकार ।

विषय– गंगा दशहरा मेले के आयोजन हेतु आर्थिक सहायता के संदर्भ में।

महोदय,

श्री विश्वनाथ–जगदीशिला पर्यटन समिति ग्यारहगांव–हिन्दाव, टिहरी गढवाल विकास खण्ड भिलंगना के अन्तर्गत प्रति वर्ष गंगा दशहरा मेले का आयोजन विगत 4 वर्षों से कराती आ रही है। यह मेला व्यवहारिक वेदान्त के धनी स्वामी रामतीर्थ की तपस्थली एवं गुरू वशिष्ठ जी की तपोस्थली वशिष्ठाश्रम विषोन पर्वत में मनाया जाता आ रहा है। मेले के आयोजन के लिए समिति के पास आर्थिक श्रोत कुछ न होने के कारण बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। समिति प्रति वर्ष हिन्दाव पट्टी में जगदीशिला तथा पट्टी ग्यारहगांव में विश्वनाथ निलाछाड में सास्कृतिक एवं विकास मेले का आयोजन करती है। इस मेले के आयोजन के लिए शासन व सरकार की ओर से कोई आर्थिक सहयोग नहीं मिला। जिससे मेले के आयोजन में कठिनाईयां होती हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि मेले के आयोजन के लिए रू. 1,00,000 (एक लाख रूपये मात्र) की धनराशि राज्य सरकार की ओर से प्रदान करने का कष्ट करें। इस अनुकम्पा हेतु समिति राज्य सरकार की अत्यन्त आभारी रहेगी।

भवदीय,
(रूपसिंह बजियाला)
रूप सिंह बजियाला
ग्राम व पो. बजियालगांव,
टिहरी गढवाल।